

**M.Ed. SPECIAL EDUCATION
VISUAL IMPAIRMENT (MEDSEVI)**

Term-End Examination

December, 2012

**MMDE-071 : PSYCHO-SOCIAL AND
EDUCATIONAL IMPLICATION OF CHILDREN
WITH VISUAL IMPAIRMENT**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 75

Note : Both Part 'A' and Part 'B' is compulsory.

PART - A

Write short notes on any three of the following questions (1 to 5) from Part A. Each question carries 5 marks.

5x3=15

1. How does the process of seeing take place in the human eye ?
2. What are the mannerisms peculiar to blindness? As a teacher, what would be your suggestions to eliminate those mannerisms ?
3. Write the importance of ophthalmic assessment for persons with visual impairment.

4. Enumerate the adjustment problems of visually impaired child with cerebral palsy.
5. How does the visual impairment affect the personality ?

PART-B

Attempt **four** questions from part 'B'. Question No.11 is **compulsory**. Each question carries **15** marks.

15x4=60

6. Describe the symptoms, diagnosis, treatment and prevention of any three eye diseases causing visual impairment. **15**
7. Who are adolescents with visual impairment ? Discuss the psycho-social development of adolescents with visual impairment. **15**
8. "Visual efficiency of low vision can be increased".--Justify with training strategies. **15**
9. Describe the characteristics of visually impaired child with learning disabilities. What would be the role of school in identifying the learning disability of a child with visual impairment. **15**
10. Explain the importance of blindness on fine-motor development. Suggest some concrete activities to improve fine-motor skills. **15**

11. How do refractive errors cause vision problems ? Describe various conditions of ametropia and their corrective measures with diagrammatic representation. 15

OR

- Discuss the challenges in the delivery of low-vision services in India. What are the Optical and Non-optical devices used for increasing visual functions of children with low vision ? 15

एम.एड. विशेष शिक्षा
दृष्टिबाधिता (एम.ई.डी.एस.ई.वी.आई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2012

एम.एम.डी.ई-071 : दृष्टिबाधित बच्चों पर मनो-सामाजिक तथा
शैक्षणिक प्रभाव

समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 75

निर्देश : 'भाग - अ' और 'भाग - ब' दोनों अनिवार्य हैं।

भाग - अ

भाग अ में से किन्हीं तीन प्रश्नों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

5x3=15

1. मानव आँख में देखने की प्रक्रिया कैसे होती है?
2. दृष्टिबाधा के क्या विशिष्ट मैनेरिज्म (व्यवहार) हैं? एक अध्यापक के रूप में आप इन मैनेरिज्म को दूर करने के क्या उपाय सुझावित करेंगे?
3. दृष्टिबाधित व्यक्तियों के आँखों की जाँच का महत्व लिखें।

4. दृष्टिबाधा के साथ प्रमस्तिष्किय पक्षाघात वाले बच्चों के समायोजन समस्या को लिखें।
5. दृष्टिबाधा कैसे व्यक्तित्व को प्रभावित करती है?

भाग - ब

भाग-'ब' से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें। प्रश्न संख्या 11

अनिवार्य है। सभी प्रश्न 15 अंक के हैं।

15x4=60

6. किन्हीं तीन आँख की बिमारीयों के लक्षण निदान, उपचार एवं 15
रोकथाम का वर्णन करें जिनके कारण दृष्टिबाधा होती है।
7. दृष्टिबाधित व्यस्क कौन लोग होते हैं? दृष्टिबाधित व्यस्क के 15
मनोसामाजिक विकास की चर्चा करें।
8. "मंद दृष्टि की दृष्टि क्षमता बढ़ाई जा सकती है।" प्रशिक्षण उपायों 15
के साथ - न्यायोचित करें।
9. दृष्टिबाधा के साथ अधिगम अक्षमता वाले बच्चों की विशेषताओं 15
का वर्णन करें। दृष्टिबाधिता के साथ अधिगम अक्षमता वाले
बच्चे को पहचानने में स्कूल की क्या भूमिका होगी?
10. सूक्ष्म गामक विकास पर दृष्टिबाधा के महत्व की व्याख्या करें। 15
सूक्ष्म गामक कौशल को बढ़ाने के लिए कुछ ठोस कार्यों को
सुझावित करें।

11. अपवर्तन दोष कैसे दृष्य समस्या का कारण है? एमेट्रोपी के विभिन्न अवस्था और उनके सही सुधार को डाइग्राम के साथ वर्णन करें। 15

अथवा

- भारत में मंद दृष्टि सुविधायों को प्रदान करने में आने वाली चुनौतियों की चर्चा करें। मंद दृष्टि वाले बच्चों की दृष्टि कार्य को बढ़ाने में क्या प्रकाशिय एवं अप्रकाशिय उपकरण प्रयोग होते हैं? 15
